<u>राष्ट्रीय लोक अदालत</u>

UPMZ050011812022

न्यायालय CIVIL JUDGE S.D.F.T.C., Muzaffarnagar

पीठासीन अधिकारी– (Shri Mayank Jaiswal), **सिविल जज (सि0 डि0)–UP02131**

वाद संख्या–822/2022

ललित कुमार बनाम सतपाल

<u>12–11–2022</u>

पत्रावली आज राष्ट्रीय लोक अदालत में पेश हुई। पक्षकारों के विद्वान अधिवक्ता को पूर्व नियत तिथि पर सुना जा चुका है। पत्रावली आज वास्ते आदेश प्रार्थना–पत्र कागज संख्या–18क पर आदेश हेतु नियत है।

पत्रावली परिशीलन से न्यायालय यह पाती है कि पक्षकारों द्वारा सुलहनामा कागज संख्या–18क इस आशय का प्रस्तुत किया गया है कि पक्षगणों के मध्य सुलह हो गयी है। वाद–पत्र/सुलहनामा के साथ संलग्न नक्शा वाद–पत्र व अनुसूचि–(अ) की मद (अ) में वर्णित विवादित सम्पत्ति का तन्हा मालिक काबिज व दखील वादी नं0–1 ललित कुमार चला आ रहा है और मद–(ब) वाली सम्पत्ति का तन्हा मालिक काबिज व दखील वादी नं0–2 मोहन गोयल चला आ रहा है व है तथा विवादित सम्पत्ति में प्रतिवादी का किसी भी प्रकार को कोई हक व हिस्सा मौजूद नहीं है। पक्षगण अपना–अपना वाद व्यय स्वयं वहन करेंगे। उपरोक्त सुलहनामा पर वादीगण ललित कुमार व मोहन गोयल के फोटो व हस्ताक्षर की पहचान उनके विद्वान अधिवक्ता श्री वासुदेव दत्त, प्रतिवादी सतपाल के फोटो व हस्ताक्षर की शिनाख्त उसके अधिवक्ता श्री सैय्यद हैदर महंदी द्वारा की गयी। चूंकि उभयपक्षों के मध्य वाद–पत्र में वर्णित सम्पत्ति के सम्बन्ध में सुलह हो गयी है और अब कोई विवाद शेष नहीं रहा है। अतः उपरोक्त आधार पर सुलहनामा कागज संख्या–18क न्यायहित में स्वीकार होने योग्य है।

<u>आदेश</u>

पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सुलहनामा कागज संख्या–18क स्वीकार किया जाता है। वाद संख्या–822/2022 सुलहनामा 18क के प्रकाश में निर्णीत किया जाता है। सुलहनामा कागज संख्या–18क डिक्री का भाग होगा तथा यह सुलहनामा वाद के पक्षकारों पर ही बाध्यकारी होगा। उक्त सुलहनामें का प्रभाव राज्य सरकार अथवा उसके अधीन कार्य करने वाली किसी संस्था को प्रभावित नहीं करेगा। यदि पक्षकारों द्वारा सुलहनामें के माध्यम से किसी भी तरीके का कोई छलकपट अथवा कूट रचना की जाती है तो यह सुलहनामा अपने आपमें ही शून्य होगा। इस सुलहनामें का विवादित सम्पत्ति का स्वरूप वाद कथनों से भिन्न होने पर कोई प्रभाव नहीं होगा। पक्षकार अपना–अपना वाद व्यय स्वयं वहन करेंगें। पत्रावली नियमानुसार दाखिल दफ्तर हो।

(मयंक जायसवाल)
सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0
मुजफ्फरनगर।

Digitally signed by Mayank Jasswal
Date: 2022.11.14 16:10:13 IST
Reason: Order
Location: Civil Judge (S.D.)/F.T.C